University in News on 16 June 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5



लखनऊ। लविवि के कलपित रहे प्रो. केके कौल (86) का शनिवार को ब्रेन स्ट्रोक से निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पूरे विवि में शोक लहर दौड़ गई। कुलपित प्रो. आलोक कुमार राय ने निधन पर दुख जताते हुए मंथन हॉल में शोक सभा का आयोजन किया। यहां सभी शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रो. कौल को श्रद्धांजलि दी। विवि के प्रवक्ता प्रो. दर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रो. केके कौल का जन्म पाकिस्तान के लाहौर शहर में हुआ था। वह अपनी उच्च शिक्षा के लिए लखनऊ विवि आए थे, फिर यहीं के होकर रह गए। 1988 में उन्होंने विवि में रीडर पद पर जॉइन किया। इसके बाद 1997 में प्रोफेसर हुए और 1998 में उन्हें कुलपित पद की जिम्मेदारी दी गई। वह अपने पीछे पत्नी गायत्री कौल और पुत्री एकी कौल को छोड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि इस दुख की

लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व

प्रो. केके कौल (87) का

शुक्रवार देर रात ब्रेन स्टोक

की वजह से निधन हो गया।

पुणे के एक हास्पिटल में

उन्होंने अंतिम सांस ली।

शनिवार को विश्वविद्यालय

सभा में कुलपति प्रो.

रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कुलपति प्रो. केके कौल का निधन

विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति की पढ़ाई करने आए। परास्नातक व

आलोक कमार राय, शिक्षकों एवं प्रति कलपति और 1998 में कलपति

कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन बने। प्रो. केके कौल साइकिल से

लवि कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष पत्नी डा. गायत्री कौल और बेटी डा.

राकेश यादव ने बताया कि प्रो. कौल एकी कौल जेनेवा फार्मास्युटिकल

: लखनऊ वह वर्ष 1961 में लिव से स्नातक

पीएच.डी की भी डिग्री ली।

अक्टबर 1971 में पाश्चात्य

इतिहास विभाग में शोध

सहायक बने। प्रवक्ता के

रूप में सेवा देने के बाद

नवंबर 1988 में रीडर बन

के पद पर कार्य करते हए

कैंपस आते थे। उनके परिवार में

ताजिकिस्तान दूतावास के प्रभारी पहुंचे लविवि

लखनऊ। ताजिकिस्तान दूतावास के प्रभारी हबीबुलो मिर्जीजदा शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने विवि की ऐतिहासिक इमारतों व अन्य स्थानों का भ्रमण किया। इसके साथ ही विवि में विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ रहे ताजिकिस्तान के छात्रों से मुलाकात की। उन्होंने कुलपति प्रो. आलोक कुमार से भी मुलाकात कर दोनों देशों के बीच रीक्षणिक संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया। इस दौरान प्रो. आरपी सिंह व विद्यार्थी उपस्थित रहे। (संवाद)



NBT PAGE 4

पूर्व कुलपति केके

कुलपति और पाश्चात्य इतिहास के रिटायर्ड प्रो. केके कौल का शुक्रवार देर रात ब्रेन स्ट्रोक से निधन हो गया। उनके परिवार में अपने पीछे पत्नी डॉ. गायत्री कौल और वेटी डॉ. एकी कौल हैं। उनके निधन पर शनिवार को मंथन

हॉल में वीसी प्रो.आलोक

शनिवार को मंथन हॉल में कुलपति ने श्रद्धांजलि सभा रखी।

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू कर्मचारी बना रहें योग अभियान को सफल

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद ने शनिवार को विश्वविद्यालय के सभी संकायों, विभागों और संस्थानों में जाकर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने के लिए अपील की। कर्मचारियों और उनके परिवारीजनों से अनुरोध किया कि बढ़चढ़ कर योग दिवस के मौके पर एलयू में कार्यक्रम में हिस्सा लें। कर्मचारी परिषद के महामंत्री संजय शुक्ला ने गवर्नर आनंदीबेन पटेल की ओर से जारी संकल्प अभियान के प्रति आभार प्रकट किया।

HT PAGE 3



Habibullo Mirzazada at LU

he visit and the meeting

पूर्व कुलपति के निधन पर शोक सहायक क रूप शक्षाणक जावन की शुरुआत की। लखनऊ

मूर्व कुलपित प्रो. केके कौल में सेवा देने के बाद नवंबर 1988 में सेवानिवृत्त) के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया है। कुलपति कार्यालय के मंथन हाल में आयोजित शोक सभा में बड़ी संख्या में शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। कुलपति प्रस्ताव प्रस्तुत किया फिर दो मिनट का मौन रखकर उनके प्रति जन्म 29 जनवरी 1938 को की शक्ति प्रदान करे। पाकिस्तान के लाहौर शहर में हुआ

प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने शोक गायत्री कौल एवं पुत्री डॉ. एकी कौल को छोड़ कर गए हैं। यह सभा से ईश्वर से प्रार्थना करती है कि स्व श्रद्धांजिल अपित की तथा उनको प्रो. केके कौल की दिवंगत आत्मा आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की को शांति को प्रदान करे तथा पारिवर गई। बता दें कि स्व प्रो. कौल का को यह अपार दुख को सहन करने

i-NEXT PAGE 3

देर रात हुआ निधन

LUCKNOW (15 JUNE): लखनउ

विश्वविद्यालय के पूर्व वीसी प्रो. केके

कौल (87) का शुक्रवार देर रात ब्रेन

स्ट्रोक से निधन हो गया. पुणे के एक

अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली.

शनिवार को विश्वविद्यालय के मंथन

हाल में हुई शोक सभा में वीसी

प्रो. आलोक कुमार राय, शिक्षकों,

अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दो

मिनट का मौन खकर उन्हें श्रद्धांजलि

दी.कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष

राकेश यादव ने बताया कि प्रो. कौल

का जन्म 29 जनवरी 1938 को

पाकिस्तान के लाहौर में हुआ था. वह

1961 में एलयू से स्नातक की पढ़ाई

करने आए. पीजी व पीएचडी की भी

डिग्री ली. अक्टूबर 1971 में पाश्चात्य

इतिहास विभाग में शोध सहायक बने.

प्रवक्ता के रूप में सेवा देने के बाद

नवंबर 1988 में रीडर बन गए,

सहायक के रूप शैक्षणिक जीवन

एलयू के पूर्व वीसी प्रो. केके Wake-up call: Climate change, कौल का निधन heatwaves and encroachment एलयू के पूर्व वीसी का शुक्रवार

areas occur due to

radiation &

areas made of

concrete & stone

Heatwave may

lead to water shortage

stress on

production and food

and increased

plants which

basis of energy

TOI PAGE 4

COMBATING SUMMER HEAT

Cities should be

well planned with

proper water bodies,

cover and low

and tiles on

both sides of the road

6 Govt should work

for better planned

cities to combat the

impact of climate

should be checked

and afforestation

encouraged

Use of plaster

Prof Dhruv Sen Singh

limate change and global warming are among the greatest threats to planet earth. The rapidly changing sea and land surface temperatures have resulted in extreme weather conditions and climate



tures in central parts of dense cities like Lucknow can be several degrees higher than surrounding areas. Higher temperatures in urban areas from concrete and stone built up areas. All the factors which cause a dip in temperature (forest, water bodies, land area, grassland, and moisture) are decreasing and which lead to rise in temperature due to retention and ra-

diation are increasing in the urban areas. Extreme hot days (heatwave) in the northern plains of India, including Uttar Pradesh, have made people's lives uncomfortable. Heatwave is generated when the maximum temperature reaches at least 40 degrees Celsius or more for more than two

Heatwave may lead to water shortage and increased stress on plants which forms the basis of energy production and food chain. It increa- oms and offices had the norses energy cost, air pollution mal temperature of about 37 for conservation and sustai and may cause illness and degrees Celsius (body tempenable development so that we mortality. The intensity of rature). When we moved out- can hand over a clean and

and unpleasant as it is today. radiation is higher than nor-

tion, sufficient soil cover, low concrete area, normal lifestyle, and lower UV radiation.

rooms, offices, and cars have air-conditioners with maximum temperature being around 25 degrees Celsius while the temperature outside is 40 degrees Celsius. Therefore, the variation is high and when we move out, the difference of 15 degrees Celsius is tough to adapt. Earlier, roside, the variation was low, which we didn't feel much.

sible for heat. It has also been

America) was active which intensity of heatwave and weakens and delays monso Certain steps are requi

red to get relief from the scor well planned with proper wa ter bodies, vegetation, soil cover and low concrete area The use of plaster and tiles uld be checked and afforesta tion should be encouraged the impact of climate change and govt authorities should

partment of geology, Univer sity of Lucknow. He was a by GoI, and Vigyan Ratna

Former VC, who had roots in Pak & heart in LU, passes away

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: His roots were in Pakistan but his heart was all for the Lucknow University. It was his simplicity that won everyone's heart, be it a student or a gardener on the campus.

Former LU vice-chancellor and a professor of western history, Prof KK Kaul (86), passed away in Pune

following a brain stroke on Saturday.

To pay respect to Prof Kaul, a condo-

officials and non-teaching staff. He is survived by his wife Dr Gayatri Kaul and daughter Dr Eki Kaul.

Born on Jan 29, 1938, in Lahore (Pakistan), Prof Kaul received his higher education from LU. After completing PhD, he started search assistant in Oct 1971.

classes and perform his ad-

ministrative duties. Former LU VC Prof Roop

Rekha Verma, who took charge after Prof Kaul, said: "He was a very happy-golucky man and a true gentleman. He used to come to LU on a bicycle."

Prof Kaul's student and a professor in western histodepartment, Prof Archana Tewari, said,

"Prof Kaul will always be remembered for his wonderful nature. He was very fond of cricket and used to

sense." "Prof Kaul was not just loved by students and his colleagues but also by nonteaching employees of the

meeting, non-teaching employees Rakesh Yadav and Rinku Rai, who worked in LU during Prof Kaul's tenu-

JAGRAN CITY PAGE III

परिणाम जारी

बीटेक व एमबीए के परीक्षा

जासं • लखनऊ : लवि ने शनिवार

सम सेमेस्टर परीक्षाओं के परिणाम

जारी कर दिए। एम.बी.ए द्वितीय,

कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग-

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बी.टेक

कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग,

कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग और

सेमेस्टर के परिणाम शामिल हैं

बी .टेक इलेक्ट्रानिक्स एंड

शाम को एम.बी.ए और बी.टेक

पूर्व कुलपति के निधन पर दी श्रद्धांजलि



घड़ी में पूरे विवि की संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। (संवाद)

मिर्जीजदा ने शनिवार को एलयू कैंपस का दौरा किया। उन्होंने एलू में पढ़ रहे ताजिकिस्तान के स्टूडेंट्स से भी मुलाकात की। एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय से मुलाकात कर अकादिमक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की।

देने के वाद नवंबर 1988 में रीडर वने, फिर साल 1998 में प्रफेसर पद पर रहते हुए एलयू

PIONEER PAGE 3

ताजिकिस्तान दूतावास के प्रभारी ने किया लविवि का दौरा



था. प्रो कौल ने अपनी उच्च शिक्षा लखनऊ विश्वविद्यालय से ग्रहण की थी। पीएचडी पूर्ण करने के पश्चात

का दौरा किया। उन्होंने परिसर का और भ्रमण का आयोजन किया। संकायों में नामांकित हैं, और यूजी से संभावनाओं पर चर्चा की।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5 पूर्व कुलपति केके कौल का निधन

लखनऊ (एसएनबी)। पूर्व कुलपति प्रो. केके कौल का वीती रात निधन हो गया। कुलपति कार्यालय के मंथन

का जन्म 29 जनवरी 1938 को कंपनी.

पाकिस्तान के लाहौर में हुआ था। महाप्रबंधक हैं।

कुलपति कार्यालय के मंथन हाल में शोकसभा

हाल में आयोजित शोकसभा में वड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी अधिकारी एवं कुलपति शामिल हुए। प्रोफेसर आलोक कुमार राय

ने शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया, फिर दो मिनट का मौन रखकर उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

स्व. प्रो. केके कौल का निधन 14 जुन की



रात को ब्रेन स्टोक से हो गया है। प्रो. कौल का जन्म 29 जनवरी 1938 को पाकिस्तान के लाहौर शहर में हुआ था, प्रो. कौल ने अपनी उच्च शिक्षा लखनऊ विश्वविद्यालय से ग्रहण की थी। पीएचडी पूर्ण करने के पश्चात अक्टूबर 1971 में एक शोध सहायक के रूप शैक्षणिक जीवन की शुरुआत की। लखनऊ विश्वविद्यालय में ही प्रवक्ता के रूप में सेवा देने के वाद नवंबर

1988 में रीडर वन गए। 1997 में प्रोफेसर के पद पर कार्य करते हुए 1998 में उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के पद को सुशोभित किया। वह अपने पीछे पत्नी डॉ. गायत्री कौल एवं पुत्री डॉ. एके कौल को छोड़ कर गए है।

बी .टेक सिविल इंजीनियरिंग, बी .टेक

होने की अपील

जारां • लखनऊ : लवि कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष राकेश यादव व महामंत्री संजय शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के संबंध में जारी संकल्प अभियान में संकायों, विभागों और संस्थानों के कर्मचारियों एवं उनके परिवारीजन से शामिल होने की अपील की है। शनिवार को लवि कुलपति प्रो . आलोक कुमार राय और कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने भी इसमें सहभागिता करके सफल बनाने की शुभकामनाएं दीं।

संकल्प अभियान में शामिल



कर्मचारियों को प्रमाण पत्र देते लविवि कुलपति।

योग संकल्प के समर्थन में उतरा कर्मचारी संगठन

अमृत विचार, लखनऊ : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संकल्प अभियान के समर्थन में लखनऊ विश्वविद्यालय के कर्मचारी परिषद ने पहल की है। इसको लेकर कुलपति ने कर्मचारियों को प्रमाण पत्र देते हुए प्रोत्साहित किया है । कर्मचारी परिषद के महामंत्री संजय शुक्ला ने इस सार्थक पहल के लिए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का अभार व्यक्त किया। उधर, योग के समर्थन में डाउनलोड किये गए प्रमाण पत्र को कुलपति ने कर्मचारियों को देकर प्रोत्साहित किया।

अमृत विचार

लविवि में मौजूद ताजिकिस्तान दूतावास के प्रभारी व अन्य।

ताजिकिस्तान दूतावास प्रभारी ने किया लविवि का दौरा

अमृत विचार, लखनऊ :भारत में ताजिकिस्तान दूतावास प्रभारी ने शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान लविवि में विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ रहे ताजिक छात्रों से मुलाकात भी की ालखनऊ विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ट ने इस मुलाकात और भ्रमण का आयोजन किया। ताजिकिस्तान दूतावास प्रभारी हबीबुलो मिर्जोजदा ने ताजिकिस्तान के छात्रों से मिलकर उन्हें प्रोत्साहित किया। इसके बाद दूतावास प्रभारी और लविवि कुलपति प्रो . आलोक कुमार राय के बीच देर तक विभिन्न विषयों को लेकर चर्चा भी हुई।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविविकर्मचारी परिषदकी नहीं रहे लविवि के पूर्व कुलपति प्रो. केके कौल पहलको कुलपति ने सराहा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। राज्यपाल की पहल पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के संबंध में जारी संकल्प अभियान के समर्थन में लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद की 🎒 🌇 पहल में शनिवार को लखनउ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कमार राय एवं कलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने भी सहभागिता की और इसके सफल होने की शभकामनाएं दी।

संस्थानों में जाकर कर्मचारीगण एवं उसके परिजनों से है। कर्मचारी परिषद के महामंत्री संजय शुक्ला ने इस कर्मचारी समुदाय अपना पूर्ण योगदान देगा।



सार्थक पहल के लिए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद इस प्रति आभार प्रकट करते हए कहा कि इससे लोगों में योग संबंध में विश्वविद्यालय के सभी संकायों, विभागों और के प्रति जागरूकता बढ़ेंगों और यह पहलिमलना पत्थर पर आयोजित की गई है। स्व. प्रो. केके कौल का रीडर बन गए। वर्ष 1997 में प्रोफेसर के पद पर कार्य जैसा व्यक्तित्व ज्ञान का भण्डार होने के साथ सरल साबित होगी। कर्मचारी परिषद अध्यक्ष राकेश कुमार इसमें शामिल होने की अपील करने के साथ ही अपनी यादव ने कहा कि कुलपित के नेतृत्व में चल रहें इस को ब्रेन स्टोक से हो गया है। स्व. प्रो. कौल का विश्वविद्यालय के कुलपित के पद को सुशीभित जीवन शैली में योग को अपनाने का संकल्प दिला रहा सकारात्मक अभियान को सफल बनाने में समस्त जन्म 29 जनवरी 1938 को पाकिस्तान के लाहौर किया और अपनी सेवा दिया। अपने पीछेपत्नी डॉ. सभी का ध्यान रखा। उनके नेतृत्व में लखनऊ

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपित प्रो. केके कौल (सेवानिवृत्त) आकस्मिक निधन पर शनिवार को एक शोक सभा का आयोजन किया गया है। कुलपति कार्यालय के मंथन हाल में आयोजित शोक सभा में बड़ी संख्या में शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शोक प्रस्ताव प्रस्तुत केया।फिर दो मिनट का मौन रखकर उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनकी आत्म की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

लखनऊ विश्वविद्यालय परिवार की यह शोक प्रो.केके कौल (सेवानिवत्त) प्रोफेसर. पाश्चात्य इतिहास एवं कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के आकस्मिक निधन आकरिमक निधन बीते शुक्रवार 14 जून की रात करते हुए 1998 में उन्होंने लखनऊ



पीएचडी पूर्ण करने के बाद अक्टूबर 1971 में एक शोध सहायक के रूप शैक्षणिक जीवन की शुरूआत की। लखनऊ विश्वविद्यालय में ही प्रवक्ता के रूप में सेवा देने के बाद नवंबर 1988 में शहर में हुआ था. प्रो कौल ने अपनी उच्च शिक्षा गायत्री कौल एवं पुत्री डॉ. एकी कौल को छोड़ कर विश्वविद्यालय ने निरन्तर प्रगति की।

प्रो. केके कौल की दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करेतथा पारिवरको यह अपारदःख को सहन करने की शक्तिप्रदान करे।इस परलविवि कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष राकेश यादव ने कहा कि प्रो. केके कौल व्यवहार के थे। उन्होंने सदा छात्र, शिक्षक और कर्मचारी हित की बात की और बतौर कुलपति

LOKSATYA PAGE 3

नहीं रहे एलयू के पूर्व कुलपति प्रो केके कौल



लखनऊ विश्वविद्यालय में हुई शोक सभा

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. केके कौल (सेवानिवृत्त) के आकस्मिक निधन पर उनके प्रशंसकों ने गहरा शोक जताया। कुलपति कार्यालय के मंथन हाल में शोक सभा में बड़ी संख्या में शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी आत्मा

यह शोक प्रो.केके कौल इतिहास एवं कुलपति, लखनऊ दो मिनट का मौन रखकर

सशोभित किया और अपनी सेवाएं दीं। गई है। प्रो. केके कौल का की शांति के लिए प्रार्थना की गई। लखनऊ विश्वविद्यालय परिवार की

(सेवानिवृत्त) प्रोफेसर, पाश्चात्य विश्वविद्यालय, लखनऊ के आकस्मिक निधन पर आयोजित की

आकस्मिक निधन 14 जून की रात

प्रो. कौल का जन्म 29 जनवरी 1938 को पाकिस्तान के लाहौर शहर

में हुआ था। प्रो कौल ने अपनी उच्च शिक्षा लखनऊ विश्वविद्यालय से ग्रहण की थी।पीएचडी पूर्ण कर अक्टूबर 1971 में उन्होंने शोध सहायक के रूप शैक्षणिक जीवन की शुरू आत की । लखनऊ विश्वविद्यालय में ही प्रवक्ता के रूप में सेवा देने के बाद नवंबर 1988 में रीडर बन गए।वर्ष 1997 में प्रोफे सर के पद पर कार्य करते हुए वर्ष 1998 में उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के पद को

को ब्रेन स्टोक से हो गया। उनके परिवार में पत्नी डॉ. गायत्री कौल व बेटी डॉ. एकी कौल हैं। सभी शिक्षकों ने प्रो. केके कौल के निधन पर गहरा शोक जताया, श्रद्धांजलि अर्पित की।

his academic career as a re-After serving as a lecturer, ne became a reader in Nov 1988 and then a professor. He served as the vice-chancellor in 1998.

the VC, he would come to the campus on a bicycle to take

Solar radiation was absorbed by soil cover, and used by vegetation for photosynthesis and transpiration, and water bodies for evaporate area reflects heat and further adds to effective tempera-The present lifestyle is al-

so an important factor. Our

This was because there were mal which is adding to the Shikshak Shree and Saras

lence meeting was held at LU which was attended by teachers,

Even after taking over as

encourage us to play. He was popular among students not only as a fantastic teacher but also as a man with a good dressing

> university. He was an avid reader, researcher and a dedicated teacher," said LU spokesperson Durgesh Sri-During the condolence

re, paid tribute to him.



कौल का निधन ■ एनबीटी सं., लखनऊः एलयू के पूर्व

शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने दो मिनट 🔟 मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। वीसी ने वताया कि प्रो. केके कौल का जन्म 29 जनवरी 1938 को पाकिस्तान के शोध सहायक के रूप में शैक्षणिक जीवन शुरू किया। एलय में ही प्रवक्ता के तौर पर सेवा

एलयू में पूर्व कुलपति केके कौल के निधन पर शनिवार को श्रद्धांजलि सभा हुई। एलयू के पूर्व कुलपित केके कौल का निधन

लखनऊ। एलय के पूर्व कलपति प्रो. केके कौल का निधन हो गया। सभी शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों ने दो मिनट मौन का रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। एलयू में पाश्चात्य इतिहास के रिटायर्ड प्रोफेसर और पूर्व कुलपति प्रो. केके कौल का निधन शुक्रवार देर रात को ब्रेन स्ट्रोक के कारण शुक्रवार को हो गया। वह अपने पीछे पत्नी डॉ. गायत्री कौल और पुत्री डॉ. एकी कौल को छोड गए हैं।



भ्रमण किया और लखनऊ हबीबुलो मिर्ज़ीज़दा ने ताजिकिस्तान लेकर पीएचडी तक के पाठ्यक्रम कर विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों को संबोधित करते हुए उनके रहे हैं। हबीबुलो मिर्ज़ोजुदा ने भारत में ताजिकिस्तान दतावास के में पढ़ रहे ताजिक छात्रों से मुलाकात उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं कलपति लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो प्रभारी हबीबुलो मिर्ज़ोज़दा ने शनिवार भी की। विश्वविद्यालय के दीं। विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में आलोक कुमार राय से मुलाकात की में सेवा देने के बाद नवंबर 1988 में को लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ ने इस मुलाकात ताजिकिस्तान के छात्र हैं, जो विभिन्न और अकादिमक सहयोग की रीडर बन गए। वर्ष 1997 में

AMRIT VICHAR PAGE 8